

## उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना

**Dr. (Smt.) Hiteshwari Aadil**

Assistant Professor, Education Department

Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg , chhattisgarh ,india

Email – hina716@rediffmail.com

**सारांश :** प्रस्तुत शोध अध्ययन में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना है। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु दुर्ग संभाग के दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 300 शिक्षकों (शहरी क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरुष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) तथा ग्रामीण क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरुष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) का चयन किया गया है। अध्ययन हेतु नसरिन एवं इस्लाहि (2012) द्वारा निर्मित सूचना तकनीकी अभिवृत्ति मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि महिला एवं पुरुष शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अंतर पाया गया। अर्थात् पुरुष शिक्षकों की सूचना तकनीकी अभिवृत्ति महिला शिक्षकों की सूचना तकनीकी अभिवृत्ति की अपेक्षा श्रेष्ठ पाया गया।

**संकेतक शब्द :** महिला एवं पुरुष शिक्षक, सूचना तकनीकी अभिवृत्ति।

### १ प्रस्तावना :

**सेकमटो (1971)** ने कहा है की "शिक्षा तकनीकी को व्यावहारिक अथवा प्रयोगात्मक अध्ययन माना जाता है जो शैक्षिक उद्देश्यों, पाठ्यवस्तु, विधियों, शिक्षण सामग्री, वातावरण छात्रों का व्यवहार, अनुदेशन का व्यवहार तथा उनके पारस्परिक सम्बन्ध को अधिक प्रभावशाली बनाता है।" छात्र अलग तरह से सीखते हैं, और एक शिक्षक अपने सभी विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकता है। शिक्षा में तकनीकी की उपलब्धता ने शिक्षार्थियों को अपनी गति से आगे बढ़ना संभव बना दिया है, शिक्षा पाठ्यक्रम में एकीकृत तकनीकी के साथ, छात्रों को एक ही समय में एक ही विषय के बारे में जानने की आवश्यक नहीं है। एक छात्र पौधों के बारे में पढ़ सकता है, जबकि एक अन्य जानवरों के बारे में पढ़ रहा है, दुनिया तकनीकी की ओर जा रही है इस प्रकार, यह अनिवार्य है कि छात्रों को तकनीकी से शिक्षा में परिवर्तन करने में सहायता मिलेगी, तकनीकी उपकरण कक्षा को रोचक बना देते हैं इसलिए शिक्षार्थियों को सीखने के लिए उत्साहित किया जाता है, तकनीकी दुनिया ने लोगों को एक ही समय में काम एवं अपने कोर्स को ऑनलाइन करने में सक्षम बना दिया है, एक लैपटॉप या टैबलेट खरीदना कम महंगा है क्योंकि आप विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए कई पाठ्यपुस्तकों को खरीदने के मुकाबले इंटरनेट पर अपनी सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, इंटरनेट में बहुत सी शैक्षिक जानकारी है, जो नियमित रूप से अपडेट की जाती है। शिक्षार्थी वेबसाइट पर जानकारी खोज सकते हैं और विभिन्न लेखकों के विचारों की तुलना कर सकते हैं, छात्र और प्रशिक्षक अब किसी भी स्थान से आसानी से सूचना आदान-प्रदान कर सकते हैं, छात्रों के प्रदर्शन, कक्षा उपस्थिति, छात्रों द्वारा ली गई पाठ्यक्रम, स्कूल नामांकन और अन्य लोगों पर रिकॉर्ड्स कंप्यूटर पर संग्रहीत की जा सकती हैं। कंप्यूटर रिकॉर्ड आसानी से मिल जाता है और इस प्रकार उन्हें किसी भी समय पर प्राप्त किया जा सकता है, छात्र विभिन्न सांस्कृतिक दृष्टिकोणों को सीख, समझ और सराहना कर सकते हैं, शिक्षा में ऑडिओ-विजुअल, फिल्मस्ट्रिप्स, कंप्यूटर आदि का उपयोग करके शिक्षा को आसान बना सकते हैं, सूचना एवं शैक्षिक सामग्री इंटरनेट पर आसानी से प्राप्त हो जाते हैं, सुनने के बजाए छात्र सीखते हैं, इससे उन्हें याद करने में सहायता मिलती है और वे अधिक आसानी से सीखते हैं, भारी पाठ्यपुस्तकों के विरोध में, शिक्षार्थियों ने सिर्फ एक मोबाइल फोन, लैपटॉप या टैबलेट ले जा सकते हैं, जिसमें सभी आवश्यक किताबें और परियोजनाएं हैं, चूंकि इंटरनेट पर कई लेख हैं, छात्र उस व्यक्ति का फैसला करता है जिससे वह संदर्भित करना चाहता है, सूचना का उपयोग करने के लिए इंटरनेट का प्रयोग करते हैं, एवं उचित मार्गदर्शन को प्राप्त करते हैं, शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी का एकीकरण शिक्षा, प्रोग्रामिंग और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य आईटी, अन्य के मध्य करियर को आगे बढ़ाने के लिए सीखने के अवसर प्रदान करता है, बच्चे सीखने के लिए वीडियो, गेम और सिमुलेशन का उपयोग करते हैं एवं उन्हें समस्या-हल करने, समीक्षकों को सोचने और पहले के अनुभवों के बारे में अन्य अनुभवों से ज्ञान हस्तांतरित करने की आवश्यकता है, एनिमेशन, वीडियो और आरेख आप छात्रों को बताते हैं कि आप क्या पढ़ रहे हैं और इसलिए वे प्रश्नों,

समूह चर्चाओं आदि के जवाब में भाग ले सकते हैं, छात्रों को कैसे ऑनलाइन संदेश के साथ संवाद करने के बारे में शिक्षित करना उन्हें उन संदेशों के प्रकार के लिए जिम्मेदार बनाता है ।

## २ उद्देश्य :

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के प्राप्तांको के मध्यमानों में लिंग के आधार पर तुलना करना ।

## ३ परिकल्पना :

$H_0d$  उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के प्राप्तांको के मध्यमानों में लिंग के आधार पर सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा ।

४ विधि :- प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है ।

५ परिसीमा :- प्रस्तुत अध्ययन में छ.ग. राज्य के दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के महिला एवं पुरुष शिक्षकों का चयन किया गया है ।

६ न्यादर्श :- प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 300 शिक्षकों (शहरी क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरुष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) तथा ग्रामीण क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरुष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) का चयन किया गया है ।

७ उपकरण :- प्रस्तुत शोध में अध्ययन हेतु नसरिन एवं फातिमा इस्लाहि (2012) द्वारा निर्मित सूचना तकनीकी अभिवृत्ति मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है ।

८ सांख्यिकीय उपचार :- प्रस्तुत शोध अध्ययन में सांख्यिकीय उपचार हेतु टी-मूल्य ज्ञात किया गया है ।

## ९ परिणाम एवं विवेचना:

$H_0d$  उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के प्राप्तांको के मध्यमानों में लिंग के आधार पर सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा ।

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के प्राप्तांको के मध्यमानों में लिंग के आधार पर सार्थक अंतर ज्ञात करना है । इसके लिए दोनों के मध्य मध्यमान , प्रमाणिक विचलन, तथा टी-मूल्य की गणना की गई तथा इस अंतर की गणना से प्राप्त सारांश को सारिणी क्रमांक 0.1 में दर्शाया गया है-

### सारिणी क्रमांक 0.1

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिंग के आधार पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के प्राप्तांको के टी-मूल्य का सारांश

लिंग	N	M	SD	t-Value
महिला शिक्षक	150	114.97	13.41	2.589**
पुरुष शिक्षक	150	118.86	12.6	

\*\* 0.01 स्तर पर सार्थकता , \* 0.05 स्तर पर सार्थकता, NS= Not Significant

सारिणी क्रमांक 0.1 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि महिला शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति का मध्यमान 114.97 तथा प्रमाणिक विचलन 13.41 है तथा पुरुष शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति का मध्यमान 118.86 तथा प्रमाणिक विचलन 12.6 है दोनों के मध्य टी मूल्य की गणना करने पर मान 2.589 प्राप्त हुआ जो कि  $df=258$  ,  $p<0.01$  पर सार्थक है । अतः परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के प्राप्तांको के मध्यमानों में लिंग के आधार पर सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा,

अस्वीकृत होती है। महिला एवं पुरुष शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अंतर पाया गया। अर्थात् पुरुष शिक्षकों की सूचना तकनीकी अभिवृत्ति महिला शिक्षकों की सूचना तकनीकी अभिवृत्ति की अपेक्षा श्रेष्ठ पाया गया।

### १०निष्कर्ष :

प्रस्तुत अध्ययन में यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति में लिंग के आधार पर सार्थक अंतर पाया गया। पुरुष शिक्षकों की सूचना तकनीकी अभिवृत्ति महिला शिक्षकों की सूचना तकनीकी अभिवृत्ति की अपेक्षा श्रेष्ठ पाया गया। इसका कारण यह हो सकता है कि महिला शिक्षकों एवं पुरुष शिक्षकों में सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के प्रति दृष्टिकोण अलग अलग है। महिला शिक्षक सूचना तकनीकी के प्रति कम लगाव रखती है। अर्थात् यह कह सकते हैं कि पुरुष शिक्षकों की सूचना तकनीकी अधिक होती है। इस कारण से महिला शिक्षकों के सूचना तकनीकी अभिवृत्ति से पुरुष शिक्षकों का सूचना तकनीकी अभिवृत्ति उच्च पाया गया।

### संदर्भित ग्रंथ सूची :

1. Michael, F.M.& Maithya, R.& Cheloti,S.K.(2016). Influence of Teacher Competency on Integration of ICT in Teaching and Learning in Public Secondary Schools in Machakos. *Journal of Education and e-Learning Research*. Vol. 3 (4) p.143-149.
2. Murati, R., & Ceka, A. (2017).The Use of Technology in Educational Teaching. *Journal of Education and Practice*. Vol.8, No.6, PP.197-199.
3. Ndibalema,P (2014).Teachers' Attitudes Towards The Use Of Information Communication Technology (ICT) As A Pedagogical Tool In Secondary Schools. *International Journal Of Education And Research*: Vol. 2 (2), pp. 1-16..
4. Olakulehin,F.(2007).Information And Communication Technologies In Teacher Training And Professional Development In Nigeria. *Turkish Online Journal Of Distance Education*. Vol 8(1),PP.133-142.
5. Padmavathi, M. (2013).A Survey of Secondary School Teachers' Perceptions, Competency and Use of Computers . *International Journal of Education and Psychological Research (IJEPR)*. Vol 2, pp: 7-16.
6. Pandey, G. (2005). *Educational Technology*. Radha Publication.PP.25-30. Pathak,P.(2010). *Shiksha Manovigyan*, Agra: Agrawal Publication, P.212.
7. Patil,V.A. (2005). Need of Teacher Training in the use of ICT in Teaching Learning Process. *International Journal of Interdisciplinary Research* ,Vol -3 , pp. 37 -42.